पीपीएस के स्टूडेंट्स ने बुजुर्गों के लिए मददगार कलर पहचानने वाली व्हील चेयर बना जीता दूसरा प्राइज

पटियाला | मैथेमेटिशियन स्टीफेन हॉकिंग की व्हील चेयर तो आपको याद होगी। कुछ ऐसी की व्हील चेयर की कल्पना की है पंजाब पब्लिक स्कूल नाभा के स्टूडेंट्स ने। कलर ब्लाइंडनेस, जो चल फिर नहीं सकते हैं या जिनको रात में सफर करना है, उनके लिए स्टूडेंट्स ने व्हील चेयर का मॉडल पेश किया है। आईसीटी कॉन्क्लेव में कुनाल, सत्यम , एकमवीर और राघिन ने सात दिन में इस मॉडल को दूसरा स्थान मिला।

नीला बटन : एलईडी के साथ नीली बटन लगी हैं। जो फूड, दवा और पेन के बारे में बताएंगी। पेन वाली बटन बीप करेगी।

एलईडी स्क्रीन : मोबाइल की मदद से मैसेज टाइप किया जा सकता है। उसे सेव कर सकते हैं

कलर डिटेक्ट मशीन : अगर किसी मरीज को लाल रंग की दवा लेनी है तो वह मशीन की मदद से कलर पहचान कर दवा ले सकेगा।

सामने लगी लाइटें : यह रात में चलने में मददगार होंगी। लाइट के ऊपर बोर्ड के पिछले हिस्से में ऑन-ऑफ की बटन लगी है।

सामने लगा सैंसर : यह किसी भी वाहन या चीज के आने पर रुक जाएगी।